



ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर-263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बर: 05944-233032



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे

निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्ष: 28 अंक: 19 बुलेटिन अवधि: 06-10 मार्च, 2019 दिन: मंगलवार दिनांक: 05 मार्च, 2019

मौसम पूर्वानुमान:

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली द्वारा पूर्वानुमानित तथा मौसम केन्द्र, देहरादून द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा उधम सिंह नगर एवं नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :-

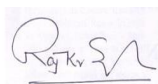
पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	06/03/2019	07/03/2019	08/03/2019	09/03/2019	10/03/2019
वर्षा (मिमी0)	0	0	0	1	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	25	25	26	27	27
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	10	11	11	12	12
बादल आच्छादन	साफ	साफ	साफ	आंशिक बादल	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	85	85	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	45	45	45	45	45
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	008	008	008	006	006
वायु की दिशा	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पश्चिम	उत्तर-पूर्व

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई-243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (26 फरवरी – 4 मार्च, 2019) में आसमान में मध्यम से पूर्णतः बादल छाये रहे तथा 6.8 मि0मी0 वर्षा हुई, अधिकतम तापमान 16.5 से 25.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 5.2 से 12.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 85 से 97 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 54 से 86 प्रतिशत एवं मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

<u>फसल</u>	<u>अवस्था</u>	<u>कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानों हेतु कृषि सलाह</u>
गेहूँ, जौ	बालियाँ	किसान भाई वर्षा को ध्यान में रखते हुए फसलों में सिंचाई करें।
राई, सरसों	कटाई	राई व सरसों की कटाई करें।
गन्ना	अगेती-कटाई पछेती-बुवाई	गन्ना की अगेती फसल की कटाई करें। नई फसल की बुवाई मौसम को ध्यान में रखकर करें। बसंतकालीन गन्ना की बुवाई 15 मार्च तक पूरा कर लेनी चाहिए। गन्ना बीज हेतु गन्ना के उपरी दो तिहाई भाग का प्रयोग करेंगे। प्रति हैक्टर 3 आँखें वाले 40-50 हजार टुकड़े प्रयोग करें। लाईन पूरब-पश्चिम दिशा में 75 सेमी की दूरी पर बनाए।
सूरजमुखी	बुवाई	सूरजमुखी की मार्डन, सूर्या, आदि की बुवाई करें।
प्याज, टमाटर	निराई-गुड़ाई की अवस्था	प्याज और टमाटर में निराई-गुड़ाई करें।
भिन्डी	बुवाई	भिन्डी की फसल की बुवाई करें।
कदू वर्गीय फसलो	बुवाई	कदू वर्गीय फसलों की बुवाई करें।
उद्यान प्रबन्ध	—	फरवरी माह में बाग की साफ-सफाई करनी चाहिए तथा पाले से बचाव के लिए लगाए गये पुआल अथवा घास इत्यादि को फरवरी के अन्तिम सप्ताह में निकाल देना चाहिए।
आम	बौर की अवस्था	आम में बौर आने की अवस्था है। बौर आने के समय सिंचाई न करें।
पशुपालन	—	भैंस के 1-4 माह के नवजात बच्चों की आहार नलिका में टाक्सोकैराविटूलरम (केचुआँ/पटेरा) नामक परजीवी पाए जाते हैं। इसे पटेरा रोग भी कहते हैं। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15सीसी नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सीसी नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।



डा० आर० के० सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर